

अध्ययन का अनुक्रम

प्रस्तुति एवं कृतज्ञता ज्ञापन

पहला अध्याय : विषय उपस्थापन

1-9

- 1.1 विषय कथन
- 1.2 सम्बद्ध साहित्य का सर्वेक्षण
- 1.3 विषय परिसीमन
- 1.4 विषय का महत्व
- 1.5 विषय की मौलिकता

दूसरा अध्याय : वैष्णव भक्ति और कीर्तन का

10-65

सैद्धान्तिक पक्ष

- 2.1 वैष्णव भक्ति : अभिप्राय और व्युत्पत्तिपरक आयाम
- 2.2 वैष्णव भक्ति का सैद्धान्तिक आधारसूत्र
- 2.3 वैष्णव भक्ति: राष्ट्रीय-सांस्कृतिक परिदृश्य
- 2.4 कीर्तन: शाब्दिक और व्युत्पत्तिपरक आयाम
- 2.5 कीर्तन-संकीर्तन: भेद, स्वरूप और महत्व, प्रभाव
- 2.6 कीर्तन-संकीर्तन की विशेषता और प्रभाव
- 2.7 वैष्णव भक्ति में कीर्तन परम्परा
- 2.8 वैष्णव भक्ति में कर्मकांड

तीसरा अध्याय: हिंदी के वैष्णव कवि और उनका काव्य

66-106

- 3.1 सूरदास
- 3.2 तुलसीदास
- 3.3 मीरा
- 3.4 कबीर
- 3.5 जयदेव
- 3.6 कुंभनदास
- 3.7 परमानन्ददास
- 3.8 कृष्णदास
- 3.9 गोविन्ददास
- 3.10 छीतस्वामी
- 3.11 चतुर्भुजदास
- 3.12 नन्ददास

चौथा अध्याय : वैष्णव सम्प्रदायों का स्वरूप

107-130

- 4.1 श्री सम्प्रदाय
- 4.2 रुद्र सम्प्रदाय
- 4.3 सनकादि सम्प्रदाय
- 4.4 ब्रह्म सम्प्रदाय
- 4.5 रामानन्दी सम्प्रदाय
- 4.6 वल्लभ सम्प्रदाय

4.7 राधावल्लभ सम्प्रदाय

4.8 निम्बार्क सम्प्रदाय

4.9 हरिदासी सम्प्रदाय

4.10 गौड़ीय सम्प्रदाय

पांचवां अध्याय : वैष्णव भक्ति की साम्प्रदायिक

131-155

आधारभूमि और कीर्तन का स्वरूप

5.1 आचार्य वल्लभाचार्य और कीर्तन: अष्टछाप कीर्तन प्रणाली

5.2 चैतन्य महाप्रभु और कीर्तन

5.3 श्री निम्बार्क सम्प्रदाय में संकीर्तन

5.4 श्री हितहरिवंश और समाजगान

5.5 स्वामी हरिदास और उनके सम्प्रदाय में कीर्तन का स्वरूप

छठा अध्याय : वैष्णव भक्ति भाव की विशेषताएं

156-181

6.1 भाव और भावना : पारिभाषिक आयाम

6.2 भाव का मनोवैज्ञानिक स्वरूप

6.3 वैष्णव भक्ति और भाव

6.3.1 वात्सल्य भाव

6.3.2 सख्य भाव

6.3.3 दास्य भाव

6.3.4 माधुर्य भाव

6.3.5 शांत भाव

सातवां अध्याय: हिंदी वैष्णव भक्ति और कीर्तन: 182-219

ऐतिहासिक विकास क्रम

- 7.1 वैदिक काल
- 7.2 ब्राह्मण काल और संहिता काल
- 7.3 उपनिषद काल
- 7.4 पुराण काल
- 7.5 भक्ति का प्रारंभिक काल
- 7.6 मध्यकाल
- 7.7 उत्तरोत्तर मध्यकाल
- 7.8 आधुनिक काल

आठवां अध्याय: उपसंहार 220-231

- 8.1 शोध प्रबन्ध का सार और निष्कर्ष
- 8.2 शोध अध्ययन की स्थापनाएं
- 8.3 प्रस्तुत शोध का महत्व
- 8.4 भावी शोध संकेत

परिशिष्ट 232

सहायक ग्रन्थ सूची 233-237

पत्र-पत्रिकाएं 238-239